भारत की राजकीय एवं संवैधानिक व्यवस्थाः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
श्री देवेन्द्र स्वरूप के भाषणों की शृंखला

१. स्वाधीन भारत की यात्राः भटकाव और बिखराव

राष्ट्रीय आंदोलन की प्रेरणाएँ और राष्ट्रीय लक्ष्यों की व्याख्या
एकात्म राष्ट्रीय समाज जीवन का सपना
राजसत्ता ही राष्ट्रनिर्माण का साधन
संविधानिक रचना
सत्ताभिमुखी राजनीति ही सार्वजनिक जीवन का केन्द्र
राष्ट्रीय चेतना का ह्रास और संकुचित चेतनाओं का दृढ़ीकरण
सामाजिक विखंडण और राजनैतिक बिखराव
गठबंधन धर्म
अंग्रेजों द्वारा आरोपित संस्थाओं का ज्यामितीय गति से बढ़ना
संप्रदायवाद, अल्पसंख्यकवाद, सेकुलरवाद और राष्ट्रवाद

२. भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद का उदय और विस्तार

हिन्दु पदपादशाही, एंग्लो-फ्रेंच प्रतिद्वन्दिता
भारतीय सभ्यता से अंग्रेजों का साक्षात्कार
ब्रिटेन का आन्तरिक स्थिति
फ्रेंच क्रान्ति का प्रभाव
अंग्रेज युवकों का ब्राह्मणीकरण
ब्रिटिश साम्राज्य के भविष्य की चिंताः चार्ल्स ट्रेविल्यान की भविष्यवाणी
ब्रिटेन में औद्योगिक क्रान्ति
पादरी और प्रशासक के मध्य चुनाव पर चर्चा, १८१३ का चार्टर
भारत में ब्रिटिश सत्ता का केन्द्रीकरण और रूपान्तरण
भारत में ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली, न्याय प्रणाली व प्रशासन तन्त्र का आरोपण

३. १८५८-१८९३ का काल

१८५७ की क्रान्ति का भारत व ब्रिटिश सत्ता पर प्रभाव
भारत पर सांस्कृतिक विजय की योजना
बौद्धिक आधारशिलायेंः आर्य-आक्रमण की कल्पना, जनगणना, गजेटियर लेखन, जाति-सर्वेक्षण, भाषा-सर्वेक्षण
सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतीय राष्ट्रवाद का पुनरुज्जीवन, स्वदेशी मेले
आंग्ल-मुस्लिम गठबंधन, १८६२-१८८९
सिख पहचान की नयी व्याख्या
संविधानिक सुधार प्रक्रियाः १८५८, १८६१, १८८२, १८९२

कांग्रेस की स्थापना, ब्रिटिश लोकतन्त्र का आरंभ

४: १८९३-१९११

विवेकानन्द, अरविन्द, एनी बेसेंट, तिलक, गांधी
बंगभंग, स्वदेशी आंदोलन, मुस्लिम लीग की स्थापना
१९०९ का एक्ट, लाल-बाल-पाल त्रिमूर्ति का क्रान्तिकारी आंदोलन
उत्तरपाड़ा का भाषण, हिंद स्वराज
गांधी का दक्षिण अफ्रीका प्रयोग
कलकत्ता से दिल्ली राजधानी परिवर्तन

५: १९११-१९२०

कांग्रेस का विभाजन, अरविंद, तिलक, पाल व लाजपत राय राजनीति से बाहर
प्रथम विश्वयुद्ध, गुरुद्वारा आंदोलन, खिलाफत आंदोलन
१९१९ का भारत एक्ट, ब्रिटेन में राउंड टेबल जुटा
गांधी का भारत आगमन, गांधी के व्यक्तित्व का हिन्दु मन पर प्रभाव, कांग्रेस का रूपांतरण

६: १९२०-१९३१

गांधी के सत्याग्रह, रचनात्मक कार्यक्रम, भारतीय राष्ट्रवाद की अखिल भारतीय राजनैतिक अभिव्यक्ति
कांउसिल बहिष्कार, स्वराज्य पार्टी का जन्म
साईमन कमीशन का बहिष्कार, नेहरू रिपोर्ट
पूर्ण स्वराज्य अथवा औपनिवेशिक राज्य
१९३० के नमक आंदोलन का विराट रूप
गोलमेज की व्यूह रचना

७: १९३१-१९३७

गांधी-इरविन पैक्ट, गोलमेज सम्मेलन
साम्प्रदायिक निर्णय, पूणा पैक्ट, हरिजन आंदोलन, गांधी कांग्रेस से बाहर
१९३५ का एक्ट, प्रान्तीय उत्तरदायित्व व संघीय व्यवस्था
१९३७ के चुनाव परिणाम
मुस्लिम राजनीति

८: १९३७-१९४५

कांग्रेस मन्त्रिमण्डलों के अनुभवः भ्रष्टाचार, गुटबंदी
मुस्लिम पृथकतावाद, द्विराष्ट्रवाद का नारा, लाहौर प्रस्ताव
द्वितीय विश्वयुद्ध, कांग्रेस मन्त्रिमण्डलों का त्यागपत्र
सुभाष बोस एवं गांधी, सुभाष का विदेशगमन, आजाद हिंद फौज की स्थापना
क्रिप्स मिशन, राजाजी का प्रस्ताव, गांधी-जिन्ना भेंट

१९४२ का भारत छोड़ो आंदोलन

९: १९४५-१९४७

ब्रिटेन का भारत छोड़ने का निर्णय, इसके कारण

सत्ता हस्तान्तरण के प्रयासः कूपलैंड योजना, केबिनेट मिशन योजना

अंतरिम सरका और संविधान सभा

१०: भारत विभाजन

नेहरू, पटेल व गांधी

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ पर प्रतिबंध की अंतर्कथा

खण्डित भारत में मुस्लिम रणनीति

११: संविधानिक प्रक्रिया

ब्रिटिश संविधानिक सुधार प्रक्रिया के विभिन्न चरणः १९०९, १९१९, १९३५

भारतीय विकल्प की खोजः

गांधी चिंतन

चितरंजनदास, विपिनचंद्र पाल, श्री अरविंद, सुभाष बोस, लाला लाजपत राय, लोकमान्य तिलक,

नेहरू रिपोर्ट

११: संविधान की रचना

संविधान सभा का विचार, १९३४

संविधान सभा की मांग पर प्रतिक्रियाएँः मुस्लिम लीग एवं जिन्ना, अंबेडकर

ब्रिटेन द्वारा संविधान सभा की मांग को अपनी दिशा में ले जाने के प्रयासः

८ अगस्त १९४० का लिंलिथगो का प्रयास, १९४२ का क्रिप्स मिशन, १९४६ का केबिनेट मिशन

संविधान सभा की संरचना एवं चुनाव

संविधान बनाने में बीएन राव एवं अंबेडकर की भूमिका

संविधान निर्माण के तीन चरणः

९ दिसंबर से ३ जून १९४७, ३ जून से १५ अगस्त १९४७, १५ अगस्त के बाद

अल्पसंख्यकों संबंधी प्रावधान

गांधी और संविधान

जयप्रकाश नारायण और अन्य समाजवादियों की भूमिका

१९५१ से अब तक के संशोधन